नागरिक शास्त्र

पाठ 1

DLTTTF

सभी जन एक हैं

भारत विविधताओं का देश कहा जाता है। इसके विभिन्न भागों में अलग-अलग भौगोलिक एवं जलवायु की स्थितियाँ पाई जाती हैं। दक्षिण भारत का पठारी क्षेत्र विश्व की प्राचीनतम् कठोर चट्टानों द्वारा निर्मित है। उत्तर में विश्व का नवीनतम एवं सबसे ऊँचा पर्वत हिमालय है। भारत में एक ओर जहाँ चेरापूँजी और मासिनराम जैसे अत्यधिक वर्षा वाले भाग हैं वहीं पश्चिमी राजस्थान जैसे शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश भी हैं।

संसार के विभिन्न भागों में रहने वाले लोगों का खान-पान, रहन-सहन, पहनावा, बोली आदि एक दूसरे से भिन्न है। समय-समय पर विश्व के विभिन्न भागों से लोग भारत आते रहे और यहाँ स्थायी रूप से बसते गए। इन लोगों के साथ नए धर्म, नए रीति-रिवाज़ तथा नई भाषाएँ आती गईं। इससे भारत की संस्कृति में विविधता आ गई।

अनेक बोलियाँ

हमारे समाज में हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई, पारसी, जैन, बौद्ध और अन्य समुदाय एक साथ मिल-जुलकर रहते हैं। ऐसा कहा जाता है कि हमारे देश में प्रत्येक 200 से 250 किमी के बाद बोली, रहन-सहन और रीति-रिवाजों में अन्तर हो जाता है। देश में लगभग 225 भाषाएँ बोली जाती हैं जिनमें 22 भाषाएँ मुख्य हैं, जैसे- हिन्दी, उर्दू, बांग्ला, उड़िया, मराठी, पंजाबी, तेलगू, तमिल आदि।

हमारे प्रदेश में मुख्यतः हिन्दी भाषा बोली जाती है। यहाँ अवधी, ब्रज, भोजपुरी, बुन्देलखण्डी आदि आंचलिक बोलियाँ भी बोली जाती हैं। जब हम देश के एक

भाग से दूसरे भाग में आते -जाते हैं तो भाषा की यह विविधता कभी-कभी परेशानी का कारण बन जाती है। दूसरी तरफ इन अलग-अलग भाषाओं में लिखा गया साहित्य हमारे देश की साहित्यिक समृद्धि को भी बढ़ाता है।

विविध त्योहार

भारत के त्योहारों में भी विविधता मिली हुई है। विभिन्न धर्मों के अनुयायी अलग-अलग त्योहारों को मनाते हैं। होली, दीपावली तथा दशहरा हिन्दुओं के प्रमुख त्योहार हैं। ईद मुस्लिमों का, प्रकाश पर्व सिखों का तथा क्रिसमस ईसाइयों का प्रमुख त्योहार है। बौद्ध लोग बुद्ध पूर्णिमा, जैन महावीर जयन्ती तथा पारसी नवरोज उत्साह से मनाते हैं। कुछ त्योहार ऐसे भी हैं जिन्हें भारत के विभिन्न भागों में अलग नामों और अलग तरीकों से मनाया जाता है, जैसे- बैसाखी, ओणम तथा मकर संक्रान्ति फसल के पकने तथा काटने के अवसर पर मनाए जाने वाले त्योहार हैं।

इनके अलावा राष्ट्रीय पर्वों जैसे स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस तथा गाँधी जयन्ती को हम सभी भारतवासी मिल-जुल कर एक साथ राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाते हैं।

देश के विविध नृत्य

हमारे देश के अलग-अलग क्षेत्रों की संस्कृति वहाँ के नृत्यों में झलकती है, जैसे- तमिलनाडु का भरतनाट्यम, उड़ीसा का ओडिसी तथा केरल का कथकली। इन नृत्यों की अपनी अलग निर्धारित पोशाकें, शैली तथा मुद्राएँ होती हैं। ये सारे नृत्य भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित हैं।

पहनावे में विविधता

हमारे देश के विभिन्न भागों में पहनावे की भी विविधता दिखाई देती है। साड़ी और धोती अनेक स्थानों पर पहने जाते हैं लेकिन उनके पहनने का ढंग बदल जाता है। पहनावों का सम्बन्ध उस क्षेत्र की जलवायु से भी होता है। कश्मीर में पहने जाने वाला 'फिरन' जाड़े से बचाता है। राजस्थान में पहनी जाने वाली बड़ी-बड़ी पगड़ियाँ वहाँ के गर्म रेगिस्तानी मौसम से बचाती हैं।

विविधता में एकता

क्या आप भारतीय क्रिकेट टीम के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के नाम जानते हैं ? आइए इस टीम पर एक नजर डालें-

महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली, शिखर धवन, रोहित शर्मा, आर0 अश्विन, युवराज सिंह, रवीन्द्र जडेजा, सुरेश रैना, भुवनेश्वर कुमार, मुहम्मद शमी, अमित मिश्रा।

इस टीम में आपने क्या खास बात देखी ? टीम में अलग-अलग प्रदेशों और धर्मों के खिलाड़ी एक साथ खेलते हैं। ये सभी खिलाड़ी विभिन्न प्रान्तों एवं धर्मों से सम्बन्ध रखते हैं। ये सभी खिलाड़ी अपने-अपने क्षेत्रों की अलग-अलग बोलियाँ भी बोलते हैं लेकिन विदेशी टीम के विरुद्ध खेलते समय ये सभी खिलाड़ी एक सूत्र में बँधकर देश के लिए खेलते हैं। भारत के लिए जीत हासिल करके इसका मस्तक ऊँचा करते हैं। सचिन तेंदुलकर को भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया है।

आपने अपने बड़ों से आजादी की लड़ाई की कहानी जरूर सुनी होगी। हमारे देश को गुलामी की जंजीरों से निकालने के लिए देश के कोने-कोने से अलग-अलग धर्मों और जातियों के लोगों ने एकजुट होकर संघर्ष किया। इस लड़ाई में सबने अपना योगदान दिया।

आजादी की लड़ाई में महात्मा गाँधी, चन्द्रशेखर आजाद, भगत सिंह तथा अशफाक उल्ला खाँ के योगदान की जानकारी एकत्र कीजिए। इनके चित्र भी एकत्र करके अपनी कॉपी मे लगाइए।

आपने देखा कि अनेक धर्मों, जातियों, भाषाओं, पहनावों आदि के लोग देश के लिए एकजुट हो जाते हैं। ढेर सारी विविधताओं के होते हुए भी भारत में हमेशा एकता रही है। यह देश एक ऐसी फुलवारी है जो अलग-अलग रंगों और खुशबुओं के फूलों से सजी है।

हमारे समाज में भेद-भाव

रामपुर गाँव में सरजू का परिवार रहता है। उसके दो बच्चे हैं, लड़का किशन और लड़की मीना। किशन विद्यालय जाता है लेकिन सरजू ने मीना को कभी विद्यालय नहीं भेजा। रोज सुबह मीना अपनी माँ के साथ किशन के लिए खाना बनाती है। जब किशन तैयार होकर स्कूल जाने लगता तो मीना माँ से पूछती- माँ मुझे स्कूल क्यों नहीं भेजती हो ? माँ कहती - तू स्कूल जा कर क्या करेगी ? तुझे तो घर का चूल्हा ही फूँकना है।

यह कहानी केवल सरजू के घर की ही नहीं है। हमारे समाज में इसी तरह लड़के और लड़कियों में अनेक प्रकार से भेद-भाव किया जाता है। लड़कियों को कहीं-कहीं तो प्राथमिक शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से भी वंचित रखा जाता है। यदि कोई लड़की खेल-कूद में आगे बढ़ना चाहती है तो उसे "ये सब लड़कों के काम हैं" कह कर हतोत्साहित किया जाता है। घर के सभी काम जैसे- खाना बनाना, बर्तन और कपड़े धोना, झाड़ू-पोंछा करना आज भी केवल लड़कियों के ही काम माने जाते हैं।

लड़कियों को उनके अधिकारों से वंचित करके हम अपने समाज की शक्ति का आधा हिस्सा व्यर्थ कर देते हैं। आज लड़कियाँ हर क्षेत्र में लड़कों की बराबरी कर रही हैं। खेलों में पी0टी0 उषा, कर्णम् मल्लेश्वरी, सानिया मिजर्ा, झूलन गोस्वामी, एम0एस0 मैरी कॉम और साइना नेहवाल आदि ने भारत का नाम ऊँचा किया है। समाज सेवा में मदर टेरेसा तथा मेधा पाटेकर के नाम उल्लेखनीय हैं।

भारतीय मूल की दो महिलाओं- कल्पना चावला एवं सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में ख्याति अर्जित की है। कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री पद को अनेक महिलाओं ने सुशोभित किया है।

लिंग के आधार पर होने वाले भेद-भाव के अलावा हमारे समाज में जाति के आधार पर भी भेद-भाव देखने को मिलता है।

क्या आपके पास-पड़ोस में किसी के साथ कोई भेद-भाव होता है ? किसी के साथ भेद-भाव देखकर आप क्या महसूस करते हैं ? इसे रोकने के लिए आप क्या करेंगे?

निम्न समझी जाने वाली जातियों को उनके अधिकार दिलाने के लिए महात्मा गाँधी, ज्योतिबा फुले एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जैसी महान विभूतियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमारे देश की स्वतंत्रता के बाद संविधान बनाते समय डॉ0 अम्बेडकर ने अस्पृश्यता या छुआ-छूत मिटाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। छुआ-छूत को अब कानूनी रूप से समाप्त कर दिया गया है। भारत के प्रत्येक नागरिक को, चाहे वह किसी जाति, लिंग या धर्म का हो, समान अधिकार और समान अवसर प्राप्त हैं। सभी को सरकारी नौकरियाँ पाने के लिए समान अवसर दिया गया है। वर्षों से भेद-भाव की शिकार जातियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए संविधान में उनके लिए सरकारी सेवाओं में आरक्षण की भी व्यवस्था की गई है।

हमारे राष्ट्रीय प्रतीक ;व्नत छंजपवदंस ैलउइवसद्ध

हमने देखा कि हमारा देश विविधताओं में एकता की भावना को समेटे हुए है। हमारे देश की एकता और भाई-चारे की पहचान कुछ प्रतीक चिह्नों से भी होती है। ये चिह्न राष्ट्रीय प्रतीक कहलाते हैं।

आइए अपने राष्ट्रीय प्रतीकों को जानें-

राष्ट्र ध्वज

हमारे देश के ध्वज में तीन रंग क्रमशः केसरिया, सफेद एवं हरा हैं। इसलिए इसे तिरंगा भी कहते हैं। हर रंग का अपना एक अलग महत्व एवं संदेश होता है। जैसे- सबसे ऊपर का केसरिया रंग बलिदान का प्रतीक है, बीच का सफेद रंग शान्ति का और नीचे का हरा रंग हमारी धरती की हरियाली दर्शाता है। ध्वज के बीच बना हुआ चक्र उन्नति की ओर अग्रसर होने का प्रतीक है। यह चक्र नीले रंग का बना होता है तथा इसमें कुल 24 तीलियाँ होती हैं। ध्वज की लम्बाई तथा चौड़ाई में 3: 2 का अनुपात होता है।

आप भी एक कागज पर राष्ट्र ध्वज बनाकर उसमें रंग भरिए।
राष्ट्र-ध्वज संहिता (राष्ट्र-ध्वज सम्बन्धी नियम)

□ध्वज फटा-पुराना या खराब रंगों वाला न हो।

□ध्वज में हमेशा केसरिया रंग ऊपर रहे।

□इसे निजी वाहनों पर तथा परिधान के रूप में कमर के नीचे या अधोवस्त्र के रूप में इस्तेमाल न करें।

□सूर्यास्त से पहले ध्वज को उतार लें।

□ध्वज फहराते समय झुका न हो।

□देश के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति या प्रधानमंत्री का निधन होने पर पूरे देश में राष्ट्र-ध्वज आधा झुका दिया जाता है।

राष्ट्रगान
राष्ट्रीय पर्व पर ध्वज फहराने के बाद हम राष्ट्रगान गाते हैं। इसके रचयिता गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर हैं। राष्ट्रगान के गायन की अवधि लगभग 52 सेकेंड है।
राष्ट्रगीत
बंकिम चन्द्र चटर्जी ने 'वंदे मातरम्' गीत की रचना की, जिसे 'जन-गण-मन' के समान दर्जा प्राप्त है। यह गीत स्वतंत्रता-संग्राम में जन-जन का प्रेरणा स्रोत था। इसका प्रथम पद इस प्रकार है।
वन्दे मातरम् !मातृ भूमि की वन्दना करता हूँ।

सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज-शीतलाम्,स्वच्छ जल से परिपूर्ण, स्वादिष्ट फलों

शस्य श्यामलाम्, मातरम् !से पूर्ण, चंदन जैसी शीतल,

शुभ्र ज्योत्सना पुलकित यामिनीम्हरे भरे खेतों वाली माँ। आपकी वन्दना करता हूँ।

फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्श्वेत प्रकाश से परिपूर्ण चाँदनी रातों से प्रफुल्लित,

सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्विकसित फूलों एवं पल्लवों से सुशोभित होती हुई,

सुखदाम्, वरदाम्, मातरम् !सुन्दर, हास्यमयी, मधुर भाषिणी

वन्दे मातरम् !सुख देने वाली, वरदान देने वाली माता की वन्दना करता हूँ। माता की वन्दना करता हूँ।

राष्ट्रीय पशु

भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। यह पीले रंग का धारीदार पशु है। अपनी दृढ़ता, फुर्ती और अपार शक्ति के लिए बाघ को राष्ट्रीय पशु कहलाने का गौरव प्राप्त है। बाघ की जो प्रजाति भारत में पाई जाती है उसे 'रॉयल बंगाल टाइगर' कहते हैं।

राष्ट्रीय पक्षी

भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। इस रंग-बिरंगे पक्षी की गर्दन लम्बी होती है तथा सिर पर पंखे के आकार की कलगी होती है। मादा की अपेक्षा नर मोर अधिक सुंदर होता है। उसकी गर्दन चमकीली नीली होती है तथा पूँछ लम्बी और चमकीले हरे पंखों की बनी होती है। नर मोर अपने पंखों को फैलाकर आकर्षक नृत्य करता है। मादा मोर का रंग भूरा होता है। वह नर मोर से थोड़ी छोटी होती है और उसकी पूँछ बड़ी नहीं होती है।

राष्ट्रीय पुष्प

भारत का राष्ट्रीय पुष्प कमल है। यह एक पवित्र पुष्प है तथा प्राचीन भारतीय कला और पुराणों में इसका एक महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन काल से ही कमल भारतीय संस्कृति का शुभ प्रतीक माना जाता रहा है।

राज चिह्न

भारत का राज चिह्न सारनाथ में स्थित "अशोक स्तम्भ" से लिया गया है। राज चिह्न में चार सिंह हैं। प्रत्येक सिंह का मुँह पूरब, पश्चिम, उत्तर तथा दक्षिण दिशा की तरफ रहता है। इसके नीचे एक पट्टी है जिसके बीच में एक चक्र है इस चक्र के दाईं ओर एक सांड़ और बाईं ओर एक घोड़ा है इस स्तम्भ में नीचे देवनागरी लिपि में 'सत्यमेव जयते' लिखा है, जिसका अर्थ है- 'सत्य की ही विजय होती है'।

अभ्यास

1. उत्तर प्रदेश एवं तमिलनाडु के पारंपरिक नृत्यों के नाम लिखिए।

2. अस्पृश्यता की भावना दूर करने में जिन लोगों ने अपना योगदान दिया है उनमें से किन्हीं दो के बारे में लिखिए।

3. आपके विद्यालय में राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन कैसे होता है ? आप इन पर्वों में अपनी सहभागिता कैसे करते हैं ?

4. विविधता में एकता से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

राष्ट्रगान .....

राष्ट्रीय पशु
.....

राष्ट्रीय पक्षी
.....

राष्ट्र ध्वज
.....

राष्ट्रीय पुष्प
.....

6. सुमेलित कीजिए-

मदर टेरेसा अन्तरिक्ष यात्री

सचिन तेन्दुलकर क्रान्तिकारी

कल्पना चावला समाज सेवा

बंकिम चन्द्र चटर्जी क्रिकेट

अशफ़ाक उल्ला खाँ वन्दे मातरम्

7. निम्नलिखित कथनों में सही कथन के सामने सही तथा गलत कथन के सामने गलत का चिह्न लगाइए-

(क) नवरोज ईसाइयों का प्रमुख त्योहार है। ( )

(ख) विराट कोहली क्रिकेट के खिलाड़ी हंै। ( )

(ग) भारत का राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम्" है। ( )

(घ) चेरापूँजी तथा मॉसिनरम में सबसे कम वर्षा होती है। ( )

(ङ) राज चिह्न के नीचे "सत्यमेव जयते" लिखा है। ( )

प्रोजेक्ट वर्क-

भारत के मानचित्र में निम्नलिखित प्रदेशों को अलग-अलग रंगों से प्रदर्शित कीजिए-

(क) जिस प्रदेश में चेरापूँजी तथा मॉसिनरम स्थित हैं।

(ख) जिस प्रदेश का प्रमुख नृत्य कत्थक है।

(ग) जिस प्रदेश में जाड़े में "फिरन" पहना जाता है।

(घ) जिस प्रदेश की मुख्य भाषा मराठी है।

(ङ) जिस प्रदेश में महात्मा गांधी का जन्म हुआ था।

चर्चा करें-

शिक्षक बच्चों से चर्चा करें कि पास-पड़ोस में होने वाली घरेलू हिंसा (महिला उत्पीड़न) को कैसे रोका जाए।

बालिका सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रमों के बारे में चर्चा करें।